മാതൃകാ ചോദ്യപേപ്പർ-1 ഉത്തരം नमूने का प्रश्न-पत्र-1 उत्तर

1.

पाठ	प्रोक्ति	लेखक
ठाकुर का कुआँ	कहानी	प्रेमचंद
सबसे बड़ा शो मैन	जीवनी	गीत चतुर्वेदी
जगहों के नाम	कविता	तेजी ग्रोवर
गुठली तो पराई है	कहानी	कनक शशि

2. साहिल की आँखें - बीरबहूटी के रंग
   साहिल के आँसू - बारिश की बूँदें
   साहिल की चोट - बीरबहूटी की तरह लाल

3. • गंगी कुएँ से पानी भर रही थी। • ठाकुर की आवाज़ सुनकर डर गई।
   • रस्सी, घड़ा छोड़कर घर लौटी। • वहाँ जोखू गंदा पानी पी रहा था।

4. • लड़की-लड़के में समभाव चाहनेवाली • भाई की बात नहीं माननेवाली

5. बेरोज़गारी दुनिया की भयंकर समस्या है। बेकार लोग दुनिया में हर कहीं जाने को तैयार रहता है। पेट भर खाना, सर ढँकने को छत आदि मिलना ही उनकेलिए पर्याप्त है। यह दुनिया में व्याप्त बेरोज़गारी की भीषणता का सूचक है।

6. बेला और साहिल अलग हो रहे हैं। अलग-अलग जगहों पर, अलग-अलग स्कूलों में पढ़नेवाले हैं। इसपर वे दुखी हुए और उनकी आँखें भर आईं। यह लेखक को बारिश से पहले की बारिश लगी। जो बिलकुल सार्थक है।

7. इतिहास की गति सत्य और धर्म के पथ को छोड़कर चले तो सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय लेती है। अर्थात् पतनोन्मुख संसार मानव मूल्यों का आश्रय लेगा ही। यही कवि का आशय है।

jiniantonyv@gmail.com 9946899557

8.

रामदेवरा

तारीख।

प्रिय रामशंकर,

कैसे हैं? घर में सब कुशल हैं न? मैं तो जोधपुर के निकट हूँ। *सोनार केल्ले* का शूटिंग चल रहा है।

यह एक विजन प्रदेश है। शूटिंग केलिए रेलगाड़ी और ऊँटों की आवश्यकता थी। उनकेलिए कुछ कष्ठ उठाने पड़े। आखिर शूटिंग शुरू हुआ तो फिर गड़बड़ियाँ हुई। सब काम निर्देशानुसार न हुए। तीन बार टेक लेने पड़े। आखिर सब अच्छे बने।

मैं अगले रविवार को वहाँ आऊँगा। तब मिलेंगे।

तुम्हारा मित्र,

सत्यजित राय

8 गंगी : जी, आप कहाँ हैं?... हे भगवान! आप क्या कर रहे हैं?

जोखू : क्या?

गंगी : गंदी पानी पी रहे हैं?

जोखू : क्या करूँ? बड़ी प्यास लग रही थी।

गंगी : गंदा पानी पीने से बीमारी बढ़ जाएगी न?

जोखू : क्या, तू ताज़ा पानी लाई है?

गंगी : नहीं मिला।

जोखू : नहीं मिला? क्या हुआ?

गंगी : ठाकुर के कुएँ पर गई। पानी ले रही थी...

जोखू : तो ?

गंगी : ठाकुर का दरवाज़ा खुला। वे कुएँ की ओर आने लगे। मैं डर गई। घड़ा और रस्सी छोड़कर भाग आई।

जोखू : जाने दो। यह हम गरीबों की नसीब है। सब सहन कर लें।

9. **समय** : सबेरे साढ़े बजे।

पात्र : बेला, साहिल, स्कूल के कुछ लड़के...

एक सरकारी स्कूल का प्रांगण। विद्यार्थी थैली लेकर आते हैं और क्लास की ओर जाते हैं। कुछ लड़के आम के पेड़ के नीचे बैठे हैं। कुछ हटकर साहिल भी बैठा है। सिर पर सफ़ेद पट्टी बाँधकर बैला आती है। (बेला का क्लॉसप शोट)।

jiniantonyv@gmail.com 9946899557

एक लड़का : होए होए सफ़ेद पट्टी..

दूसरा लड़का : सुल्ताना डाकू..

साहिल *(परेशान होकर)* : ये क्या हो गया बेला?

बेला : छत से गिर गई।... वहुत दिन हो गए। आज खेल घंडी में गांधी चौक में लंगड़ी टाँग खेलेंगे।

साहिल : नहीं खेलेंगे, तेरे सिर में फिर से लग जाएगी तो...?

बेला : नहीं लगेगी।

साहिल और बेला मैदान की ओर जाते हैं।

कट्

11.

पेड़
प्रकृति के वरदान!
वे हमारे जीवनदाता हैं!
पेड़-पौधों का संरक्षण करें।
जीवन को सफल बनाएँ।

12. अवनि और अंबर तल में चाँदनी बिछी हुई है।
13. चाँदनी।
14. कवितांश में प्रकृति का वर्णन है। रात का समय है। जल और थल में चंद्र की चंचल किरणें खेल रही हैं। अवनि और अंतर तल में स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है। सर्वत्र प्रकाशमान रहता है।
15. एक बड़ा पेड़ था। उसमें एक सुंदर घोंसला था। घोंसले में तीन बच्चे थे। चिड़िया छोटे बच्चों को खिलाती थी।
16. गणेश का परिवार छोटा है। माँ और बहन थीं। परिवार गरीब था। माँ को काम करना पड़ता था।
17. पानी बरस रहा है, इसलिए छतरी ले जाओ।
18. विशेषण है
19. वे
20. रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म कोलकत्ते में हुआ।
21. उनके पिता देवेंद्रनाथ और माता शारदादेवी था।

jiniantonyv@gmail.com 9946899557

മാതൃകാ ചോദ്യപേപ്പർ-2 ഉത്തരം नमूने का प्रश्न-पत्र-2 उत्तर

1.

पाठ	प्रोक्ति	लेखक
जैसलमेर	यात्रावृत्त	मिहिर
बच्चे काम पर जा रहे हैं	कविता	राजेश जोशी
टूटा पहिया	कविता	धर्मवीर भारती
बसंत मेरे गाँव का	लेख	मुकेश नौटियाल

2.
- माँ और मैनेजर के बीच बहस हुई।
- चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा।
- चार्ली को स्टेज पर ले गया।
- चार्ली ने मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरु किया।

3.

साहिल की आँखें	बीरबहूटी की तरह लाल।
गंगी नहीं जानती थी	उबालने से पानी की खराबी जाती रहती है।
कई दिनों के बाद घर में दाने आए।	घर भर की आँखें चमक उठीं।

4.
- बड़ी बुआ से बातें करना पसंद न करनेवाली
- सामाजिक असमानता के खिलाफ़ आवाज़ उठानेवाली

5. अकाल के दिनों में घर में खाने की चीज़ों का अभाव था। इसलिए चूल्हा नहीं जलाया। चक्की की आवश्यकता भी न थी। वह भी उदास रही।

6. शेर खूँखार जानवर है। उसके मुँह से बचना असंभव है। यहाँ ठाकुर भी क्रूर एवं निर्दयी है। इसलिए ऐसी तुलना की गई है।

7. आजकल लोग कोई परंपरागत काम करने को तैयार नहीं। शिक्षा पा कर सफेदपोश नौकरियों के पीछे भागते हैं। इसलिए अपना घर एवं गांव को भी छोड़ना पड़ता है। जहाँ जाता है वहाँ अपना घर मानता है।

तारीख

स्थान

आज का दिन मैं कैसे भूलूँ? स्टेज में मेरी आवाज़ फुसफुसाहट में बदल गई। मैं गा न सकी। लोग चिल्लाने लगे। मेरी विवशता देखकर चार्ली वहाँ आया। मैनेजर ने चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद की। चार्ली मंच पर आया और उसने जैकजोन्स गाना शुरु किया। उसने दर्शकों से बातचीत की, नृत्य किया और कई गायकों की नकल उतारी। दर्शकों ने खड़े होकर तालियाँ बजाई। लोगों ने मेरी प्रशंसा भी की। प्यारा बेटा, आज का दिन मैं कैसे भूलूं?

jiniantonyv@gmail.com 9946899557

9. दुकानदार – अरे, क्या चाहिए?
बेला – पेन में स्याही भर दीजिए।
दुकानदार – बेटा, स्याही की वोतल अभी-अभी खाली हो गई है।
बेला – पेन में जो स्याही थी उसे भी साहिल ने ज़मीन पर छिड़क दिया।
दुकानदार – बेटा, इसलिए कहता है कि वादल को देखकर घड़े को नहीं दुलाना चाहिए।
साहिल – हाँ जी, आगे ऐसा न करूँगा।
दुकानदार – कौन-सी में पढ़ते हो?
साहिल – पाँचवीं में।
दुकानदार – जल्दी चलो, स्कूलमें घंटी लग गई है।
साहिल – हाँ, हाँ, घंटी लग गई है।

10

स्थान,
तारीख।

प्रिय राजी,

कैसी हो? घरवाले कैसे हैं? अब मैं बहुत दुखी हूँ। इसलिए यह खत लिख रही हूँ। मेरी बुआ और माँ कहती है कि मैं किसी और की अमानता है। ससुराल ही मेरा असली घर होगा। मेरे घरवाले लड़के को अपना धन और लड़की को पराया धन मानते हैं। दीदी की शादी के कार्ड पर मेरा नाम नहीं छपवाया। इससे मैं वहुत दुखी हूँ। क्या ऐसा भेदभाव रखना ठीक है? इसपर आपका विचार क्या है? हमें इसके विरुद्ध आवाज़ उठानी ही चाहिए।

जवाब की प्रतीक्षा में

तुम्हारी सहेली
गुठली

सेवा में
राजी
राजीविहार, चेन्नै

11.

मासूम बच्चे, कंधों पर बोझ
बालश्रम अपराध है।
इसे रोकें –
देश के सुंदर एवं सुरक्षित –
भविष्य केलिए।

jiniantonyv@gmail.com 9946899557

12. कवि ईश्वर के भरोसे खुश रहेगा।

13. न देना ज़रूरत से ज़्यादा

14. कवि कहते हैं - हे ईश्वर मैं एक ईमानदार भक्त हूँ। मुझे ज़रूरत से ज़्यादा न देना। ऐसा होने से मुझे सबकी मुहब्बत मिलेगी और कोई मुझसे शिकायत भी नहीं करेगा। ज़रूरत पड़ने पर मैं फिर माँग लूँग और तुम्हारे भरोसे पर मैं आनंद से जी लूँगा। कवि सरल जीवन बिताना चाहत है। उन्हें लालच नहीं। ईश्वर के प्रति भोरास ही उनके लिए सबकुछ है।

15. गणित की कक्षा थी। अध्यापक ने एक सवाल दिया। एक लडके ने नकल किया। घर जाने पर लड़के को पश्चाताप हुआ।

16. गणितज्ञ रामानुजम एक बड़े दफ्तर में काम करते थे। वे खाली समय हिसाब का हल करते थे। साथी समझते थे कि वह पागल आदमी है। अच्छे कागज़ को खराब कर रहा है।

17. मित्र नहीं आया इसलिए मुझे अकेला जाना पड़ा।

18. 'आराम हराम है' का नारा राष्ट्रनिर्माता चाचा नेहरु ने दिया।

19. विशेषण है।

20. वे

21. मेहनत से प्रत्येक व्यक्ति की उन्नति होती है। देश की भी तकदीर और तस्वीर इसके द्वारा बदल जाता है।

മാതൃകാ ചോദ്യപേപ്പർ–3 ഉത്തരം नमूने का प्रश्न-पत्र-3 उत्तर

1. (क) प्रेमचंद (ख) हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था।
   (ग) यात्रावृत्त (घ) धर्मवीर भारती

2.
   - माँ स्टेज से हटने को मज़बूर हुई।
   - चार्ली ने मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरु किया।
   - बीच में चार्ली ने गाना रोक दिया।
   - पस वटारन की घोषणा ने हॉल को हँसीघर बना दिया।

3

इस वीरबहूटी का रंग तुम्हारे रिबन के जैसा लाल है।	साहिल
पानी कहाँ से लाएगी?	जोखू
अपने घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते।	गुठली के ताऊजी

4. एकदम स्वाभिमानी
   जीव-जंतुओं से ममता रखनेवाली

jiniantonyv@gmail.com 9946899557

5. हिमालय एक ऐसी विशाल भूमिका है जहाँ पर पृथ्वी की परिक्रमा के साथ-साथ होनेवाला ऋतुपरिवर्तन एकदम नज़र आता है। बदलती ऋतु के बदलते रंग, रूप, गंध व उल्लास का सुंदर नज़ारा केवल हिमालय में ही इतनी खूबियों में संभव है।

6. ठाकुर के दरवाज़े की तुलना शेर के मुँह से इसलिए की गई है कि दोनों कई बातों में बराबर हैं। अगर फँस गया तो दोनों में से बच निकलना आसान नहीं है। अगर बच ही निकला तो भी बाकी ज़िंदगी मर मर के बिताना होगा।

7. नरेश सक्सेनाजी की व्याख्या से मैं बिलकुल सहमत हूँ। क्योंकि आदमी-आदमी में जानकारियों से ज़्यादा मनुष्यता या मानवीय संवेदना का होना ही सबसे बड़ी बात है।

8. मुसफ़र नगर
02-10-2016

प्रिय मोनाली,

कैसी हो? पढाई कैसे चल रही यार? तुम्हारा छोटा भाई अब कौन-सी में है? कैसा है वह? घर में अंकल, आँटी सब ठीक से तो हैं न?

कई दिनों से तुमसे बातें करने को सोच रही हूँ। फिर लगा चिट्ठी ही बहतर है, वैसे तो लिख रही हूँ। अरी मोना, आजकल कई बातों को लेकर मैं अफ्सोस हो रही हूँ। तुम्हें मालूम होगा मेरी बडी बुआ को जिसे मैं ताईजी बुलाती हूँ, आजकल उनकी बातें मुझे बिलकुल पसंद नहीं हो रही है। बात बात में मुझे मना करती है – 'ऐसा मत करो', 'वैसे मत चलो'। सच्च बताऊँ तो एक-एक मनाही में उल्टे चलने को दिल करता है।

पता है उन्होंने कहा क्या है? ये जो मेरा घर है, मेरा अपना नहीं है और मैं पराई अमानत हूँ। वह कैसे हो सकता है? शादी के बाद दीदी भी बिलकुल बदल गई है। भैया भी शादीशुदा हैं, मगर वे तो पहले के जैसे ही हैं। हम तीनों एक ही माता-पिता के हैं, एक ही घर में जन्में हैं, पले हैं। लड़कियों की एक नीति और लड़कों की कुछ और। मैं नहीं माननेवाली। ऐसा है तो मैं शादी ही नहीं करनेवाली।

आज तो मैंने सभी को एक सबक सिखा ही दिया। मैं तो गुठलिया हूँ। मेरे आगे किसी का नहीं चलेगा। बहुत लिख दिया आज मैंने। कभी लिखा करो यार। घर के सभी को मेरा प्रणाम।

सप्रेम,

हस्ताक्षर
(गुठली)

सेवा में
मोनाली शर्मा
शिवाजी नगर, भोपाल
मध्यप्रदेश - 462016

jiniantonyv@gmail.com 9946899557

9. • 'प्रकृति और पर्यावरण - हमारा आवरण'

इसका नाश हमारा विनाश

• 'प्रकृति - विरासत में मिली अमानत
इसकी रक्षा हमारा दायित्व'

• 'प्रकृति की रक्षा
हमारी सुरक्षा'

• 'प्रकृति हमारी जननी, पशु-पक्षी हमारे सहचर
इनकी रक्षा हमारी रक्षा'

10. • राय साहेब, नमस्कार। फिल्मी दुनिया में आपका पदार्पण कैसे हुआ?

• विश्व - सिनेमा के ही जाने -माने व्यक्तित्व हैं आप। फिल्म संबंधी कई कार्य खुद करते भी हैं। इन तमाम कार्यों में सबसे ज़्यादा खुशी आप कहाँ पाते हैं?

• शूटिंग के लिए कौन-कौन सी पूर्व तैयारियाँ आप करते हैं?

• कई पुरस्कारों से सम्मानित है आप। इनमें से कौन सा पुरस्कार आप सर्वोपरि मानते हैं?

• इस क्षेत्र की युवा पीढ़ी से आप क्या कहना चाहेंगे?

11. वर्तमान कालीन समस्याओं में बालश्रम भी गंभीर स्थान रखता है। पूरी दुनिया में यह समस्या एक अभिशाप बनकर खड़ी है। भारत में भी प्रस्तुत समस्या इतना व्यापक है कि इसपर रोक लगाने केलिए आज कानून को एकदम सख्त बनाया गया है।

बचपन – जीवन का सबसे सुंदर काल है। बचपन का समय खेलने तथा पढ़ने का है, चरित्र और व्यक्तित्व निर्माण का है, स्वतंत्र होकर मस्ती मनाने का है। बालश्रम रूपी अभिशाप के कारण बचपन की बुनियादी आवश्यकताओं से वे वंचित होते हैं। आज का बच्चा ही कल का नागरिक है। बच्चों की मुस्कान में कल की शान है। छोटे उम्र से मेहनत करनेवाले बच्चे कैसे मुस्कुरा सकते हैं?

परिवारों की बुरी आर्थिक दशा, गरीबी, अज्ञान, अनाथत्व आदि इस बडे अभिशाप के मुख्य कारण हैं। कानून के होते हुए भी कितने बच्चे हर दिन इसके शिकार हो रहे हैं। इससे मुक्त होना हमारी सबसे बडी आवश्यकता है। इस अभिशाप को जड़ से उखाड़ फेंकना हमारी सबसे बडी माँग है। तभी स्वतंत्र भारत की शान बढेगी, विश्व भलाई का सुंदर सपना साकार होगा।

jiniantonyv@gmail.com 9946899557

12. छुट्टी नहीं मिली इसलिए सबेरे जाना पडा।

13. गंगी का विद्रोही दिल रिवाज़ी पाबंदियों और मज़बूरियों पर चोटें करने लगा।

14. गुलमोहर के पेड़ पर पत्ते गहरे हरे रहते और कभी बहुत बड़े गुलमोहर पर अचानक एक फूल खिला दिख जाता। बड़े से पेड़ के बीच में एक लाल फूल!

15. जन्म लेते बच्चा कुछ भी नही जानता है। एकदम निरीह होता है।

16. जन्म लेते ही बच्चा / हम ही सिखाते हैं सब

17. जन्म लेने पर बच्चा किसी भी बात का जानकार नहीं होता। उसका नाम, जन्मस्थान, पहनावा सब हम ही से उसको मालूम होता है। हमारा चाल चलन देखकर ही खुद वह चलने को सीखता है। हम ही उसका एकमात्र नमूना है। स्वार्थी दुनिया में झूठ, पाप जैसी बुराइयाँ भी वह हम ही से अपनाता है। अतः बच्चों के लिए ही सही अच्छा नमूना बनकर ही हमें जीना है।

18. सुना है इस किले को यह नाम सत्यजीत राय के इस नाम से एक मशहूर उपन्यास से मिला है।

19. संज्ञा है।

20. भारतीय संस्कृति अत्यंत विशाल है।

21. भूमंडलीकरण भारतीय संस्कृति को भी बदल रहा है।

22. यह।

jiniantonyv@gmail.com 9946899557